

- Title – रामचरित मानस
- Accession No – Title –
- Accession No –
- Folio No/ Pages – 21 / 42
- Lines-
- Size
- Substance Paper –
- Script Devanagari ✓
- Language – अवधि
- Period –
- Beginning – नोहिंगजारिजसलखेंरमाला
- End – लोधिमनसंग जोऊ
- Colophon-
- Illustrations -
- Source -
- Subject - राम कथा साहित्य
- Revisor -
- Author - तुलसीदास जी
- Remarks- अपूर्ण, पृष्ठ खण्डित

Pallavi

१० नाहिं गजारि जस बधें सृगाला मन मंहं समुझि वचन प्रभु केरे सहेउं कठोर वचन सठ तोरे
लंका नाहिं त करि मुष भंजन तोरा लै जातेउं सीतहि बरजोरा जानेउं तव बल अधम सुरारी सूनें
हरि आनेउ परनारी तैं निसिचर पति गर्व बहूता मैं रघुपति सेवक कर दूता जौं न राम अप
मांनहिं डरउं तोहि देषत अस कौतुक करउं दोहा तोहि पटकि महि सेन हति चौपट करि तव
गांउ तव जुवतिन्ह समेत सठ जनकसुतहि लै जांउ ४२ चौ० जौं अस करउं तदपि न वडाई मु
येहि वधें नहिं कछु मनुसाई कौल कामवस कृपन विमूढा अति दरिद्र अजसी अति वूढा सदा
रोगवस संतत क्रोधी विस्नु विमुष श्रुति संत विरोधी तनु पोषक निंदक अघ षांनी जीवत सव
सम चौदह प्रांनी अस विचारि षल वधउं न तोही अव जनि रिस उपजावसि मोही सुनि स
कोप कह निसिचर नाथा अधर दसन दसि मींजत हाथा रे कपि पोच मरन अव चहसी छोटे व १०
राम

गि
वारवहुहरषितसाषिगिरीस ९२ चौ० अमतविलोकेउजवहिकपाला विधिकेलिषाअंकनिजभा
ला नरकेकरआपनवधवांची हरषेउजानिविधिगिराअसांची सोउमनसमुझित्रासनहिंमोरे लि
षाविरंचिजरठमतिभोरे आनवीरवलसठममआगे पुनिपुनिकहसिलाजपतित्यागे कहअंग
दसलज्जजगमाहिं रावनतोहिसमानकोउनाहीं लाजवंततवसहजसुभाउ निजमुषनिजगुनकह
सिनकाउ सिरअरुसैलकथाचितरही तातेंवारवीसतैंकही सोभुजवलराषेउउरघाली जीतेउस
हसवाहुअरुवाली सुनुमतिमंददेहिअवपूरा काटेउसीसकेहोइअसूरा वाजिगरकेहुकहिएन
वीरा काटेनिजकरसकलसरीरा दोहा जरहिंपतंगविमोहवसभारवहहिंषरव्रंद तेनहिंसूरक
हावहीं समुझिदेषुमतिमंद ९२ चौ० अवजनिवातवढावषलकरही सुनुममवचनमानपरि
हरही दशमुषमैंनवसीठीआएउ असविचारिरघुवीरपठाएउ वारवारअसकहइकृपाला 2

१८ केपेरे दोहा तमकिपवनसुतकरगहेउ आनिधरेउप्रभुपास कौतुकदेखहिं भालुकपिदिनुकरस
लंका रिशप्रकास उहाशकोपदशाननसवसनकहतरिमारि धरउकपीसहिधरिमारउसुनिअंगदसु
चौ० सकारें एहिविधिवेगशुभटसव धाऊ धाऊभालुकपिजंहातंहाधाऊ मर्कटहीनकरउमहिना
ई जीवतधरउतपसिदोउभाई पुनिसकोपवोलेउजुवराजा गालवजावततोहिनलाजा मरु
गरकाटिनिलजकुलघाती वलविलोकिविहरतनहिंछाती रेत्रियचोरकुमारगगामी खलम
लराशिमंदमतिकामी संन्यपातजल्पसिदुरवादा भएसिकालवसखलमनुजादा याकोफल
पाउहुगेआगे वानरभालुचपेटनुलागे रामभनुज्यबोलतअसवानी गिरहिंतवरसनाअभि
मानी गिरिहहिंरसनासंसयनाही शिरन्हसमेतसमरमहिमाही दोहा वालिहत्योजेहिएक
पुरसोनरकशदशकंध धृगाधृगजीवननोरसठवीसउलोचनअंध २६ सोरठा तवभ्राणित १८
राम

दनवानवडिकहसीकढजल्पसिनउकपिवलजाके वलप्रतापवुधितेजनताके दोहा अगुन
अमानजांनितेहिदीन्हपितावनवास सोदुषअरुजुवतीविरह पुनिनिसिदिनममत्रास जि
न्हकेवलकरगर्वतोहिअैसेमनुजअनेक षांहिनिसाचरदिवसनिसिमूढसमुझितजिटेक।
१४ चौ० जवतेंकीन्हरामकैनींदा क्रोधवंतअतिभएकपिंदा हरिहरनिंदा सुनैजोकाना।
होइपापगउघातसमाना कटकटानकपिकुंजरभारी दुहुभुजदंडतमकिमहिमारी डोलतधरनी
सभासदषसेउ चलेभागिभयमारुतग्रसेउ गिरतदशाननउठेउसंभारी भूतलपरेउमुकुटषट
चारी कछुतेहिलीन्हसिशीशसंभारे कछुअंगदप्रभुपासपवारे आवतमुकुटदेषिकपिभागे।
दिनहिंलूकपरनविधिलागे कीरावनकरिकोपचलाए कुलिशचारिआवतअतिधाए प्रभुक
हहसिजनिहृदयडराहू लूकनअशिनकेतुनहिंराहू एकिरीटदशकंधरकेरे आवतवालितनय

५

२९
लंका

यससमाउसुमिरिरामरघुकुलतिलक ५८ नाथकुशलकहुसुषनिधानकी सहितअनुजअरु
मातुजानकी नाथसवकुशलहैरामा लंकामहिहोतिसंग्रामा कपिसवचरितसंछेपवषाने
भएदुषीमनमङ्गपछितानें अहहिदैवमैकतजगजाएउं प्रभुकेएकऊकाजनआएउं जानि
कुअवसरमनधरिधीरा पुनिकपिसनवोलेवलवीरा तातगहरुहोइहितोहिजाता काजु
नसाइहिहोतप्रभाता चढममसायकसैलसमेता पठवउंतोहिजहंकृपानिकेता सुनिक
पिमनउपजाअभिमाना मोरेभारचलिहिकिमिवाना रामप्रभावविचारवहोरी वंदिचरनक
दो॰ पिकहकरजोरी तवप्रतापउरराषिप्रभुजैहौंनाथतुरंत असकहिआएसुपाइपदवंदिचलेहनु
मंत भरतवाहुवलसीलगुनप्रभुपदप्रीतिअपार मनमहिजातसराहतहपुनिपुनिपवनकुमा
र॰ उहांरामलछिमनहिनिहारी वोलेवचनमनुजअनुसारी अर्धरातिगइकपिनहिंआएउ॰ २९
चौ॰

राम

निमनहरषिचलेहनुमाना देषाशैलनऔषधचीन्हा सहसाकपिउपारिगिरिलीन्हा गहि
गिरिनिसिनभधावतभएउ अवधपुरीऊपरिकपिगएऊ दोहा देषभरतविसालअतिनि
शिचरमनअनुमान विनुफरसायकमारेउचापश्रवनलगितानि ५८ परेउमुरछि म
हिलागतसायक सुमिरतरामरामरघुनायक सुनिप्रियवचनभरतउठिधाए कपिसमीप
अतिआतुरआए विकलविलोकिकीशउरलावा जागतनहिवहुभांतिजगावा मुषमली
नमनभएउदुषारी कहतवचनलोचनभरवारी जेहिविधिरामविमुषमोहिकीन्हा तेहिंपु
नियहदारुनदुषदीन्हा जौंमेरेंमनवचअरुकाया प्रीतिरामपदकमलअमाया तौकपिहो
उविगतश्रमसूला जौमोपररघुपतिअनुकूला सुनतवचनउठिवैठकपीशा कहिजयजय
तिकोशलाधीशा सोरठा लीन्हकपिहिउरलाइ पुलकिततनलोचनसजल प्रीतिनहृद

१९
लंका

कीसचरनटाहिमोती पुरुषकुजोगीजिमिउरगारी मोहविटपनहिंसकहिंउपारी दोहा को
टिन्हमेघनादसमसुभटउठेहरषाई झपटहिंटरईनकपिचरनपुनिबैठहिंशिरनाई। भू
मिनछाडतकपिचरनदेषतरिपुमदभाग कोटिविघ्नतेंसंतकरमनजिमिनीतिनत्याग
५२ चौ० कपिबलदेषिसकलहियहारे उठाआपयुवराजप्रचारे गहतचरनकहवालिकुमा
रा ममपदगहेनतोहिंउवारा गहसिरनरामचरनसठजाई सुनतफिरामनअतिसकुचाई।
भयउतेजहतश्रीसवगाई मध्यदिवसजिमिशशिसोहाई सिंहासनबैठउसिरनाई मानहुं
संपतिसकलगवाई जगदात्माप्राणपतिरामा तासुविमुषकिमिलहविश्रामा उमारामकी
भ्रकुटिविलासा होइविश्वपुनिपावैनासा तृनतेकुलिशकुलिशतृनकरई तासुदूतक
रपनकिमिटरई पुनिकपिकहेउनीतिविधिनांना माननताहिकालनिअराना रिपुमद १९

राम

कैप्यासतरषिततृनरामसनमुखकनिकर तजौंतोहितेहित्रासकछुजनलषुसिनिसिचरअधम चौः
मै तनवदसनतोरवेलायक आयसुमोहिनदीन्हरघुनायक असरिशहोतदसौमुषतोरौं
लंकागहिसमुद्रमंहवोरौं गूलरिफलसमानतवलंका वसहुमध्यतुम्हजीवअसंका।
मैवानरफलषातनवारा आयसुदीन्हनरामउदारा जुक्तिसुनतरावनमुसकाई मूढसिषिहि
कंहावहुतझुठाई वालिनकवहुंगालअसमारा मिलितपसिन्हतैंभएसिलवारा सांचेहुंमै
लवारभुजवीहा जौनउपारेउंतवदशजीहा रामप्रतापसमुझिकपिकोपा सभामांझपनकरि
पदरोपा जौममचरनसकसिशठटारी फिरहिंरामसीतामैहारी सुनहुसुभटसवकहदसशी
सा पदगहिधरनिपछारहुकीसा इंद्रजीतआदिकवलवांना हरषिउठेजंहातंहाभटनाना।
झपटहिंकरिवलविपुलउपाई पदनटरैवैठहिंशिरुनाई पुनिउठिझपटहिंसुरआराती टरइन

९६
लंका रवंडकैरवनाना पेलहिंभालुकीसचउगांना जबहिसमरकोपिहिरघुनायक छूटहिंअतिकरा
लवहुसायक तवकिचलिहिअसगालतुम्हारा असविचारिभजुरामउदारा सुनतवचनरवन
पाजेउ जरतमहानलजनुघृतपरेउ दोहा कुंभकरनभ्राताअससुतमेघनादरशकारि ममव
लश्रवनन सुनेहुसबजीतचराचरझारि ५० चौ सठसाषामृगजोरिसहाई बांधेउसिंधुइहइप्र
भुताई नांघहिंषगअनेकबारीसा सूरनहोइतेसुनुसठकीसा ममभुजसागरजलपूरा जहांबू बल
डेवहुसुरनरसूरा वीसपयोधिअगाधअपारा कोअसवीरजोपावहिपारा दिगपालन्हमैनीरभ
रावा भूपसुजसषलमोहिसुनावा जौपैसमरसुभटतवनाथा पुनिपुनिकहहिसिजासुगुनगाथा तौ
वसीठिपठवाकिहिकाजा रिपुसनप्रीतिकरतनहिंलाजा हरगिरिमथननिरषममबाहू पुनि
सठकपिनिजप्रभुहिसराहू दोहा सुरकवनरावनसरिसकरन्हकाटिजिहिसीसा होमेअनलमंह ९६
राम

सुपुलग्रधमयाति

सुवलत्रयं वेपल तव न जांनु अवजांन ४८ चौ० सुनि ग्रंगद दशकोप कहवांनी बोलु संभारि अध 10
म अभिमांनी सहशबाहुभुज गहन अपारा दहन अनल सम जासु कुठारा जासु परसु सागर ख
रधारा बूडे न्नप अगनित वऊवारा तासु गर्व जेहि देषत भागा सो नर क्यों दशशीस अभागा ।
राम मनुज कस रे सठ वंगा धन्व कामनदी पुनि गंगा पसु सुरधेनु कल्यतरु रूषा अंन दान अरु
स पियूषा वैनतेय षग अहि सहसांनन चिंतामनि पुनि उपल दशांनन सुनु मतिमंद लोक बै
कुंठा लाभ कि रघुपति भक्ति अकुंठा दोहा सैन सहित तव मांन मथि वन उजारि पुर जारि हनु
मान कपि कस रे सठ आएउ तव सुत मारि ४९ चौ० सुनु रावन परिहरि चतुराई भजसि न कृपासिं
धु रघुराई जो षल भएसि राम कर द्रोही ब्रह्म रुद्र सक राषि न तोही मूढ वृथा जनि मारसि गाला
राम वैर होइहि अस हाला तव शिर निकर कपिन्ह के आगे परिहहिं धरनि राम सर लागे तेतवशि

२१ गा
लंका क्रोधवंततवभएउअनंता भंजेउरथसारथीतुरंता नानाविधिप्रहारकरसेषा राछसभएउप्रानअ
वसेषा रावनसुतनिजमनअनुमाना संकटभएउहरिहिममप्राना वीरघातनीछाडेसिसांगी ते
जपुंजलछिमनउरलागी मुरुछाभईशक्तिकेलागे तववलिगएउनिकटभयत्यागे दोहा मेघ
नादसमकोटिसतजोधारहेउठाइ जगदाधारअनंतकिमिउठैनचलेखिसिआइ ५४ सुनिगिरि
जाक्रोधानलजासू जारैभुवनचारिदसआसू सकसंग्रामजीतिकोताही सेवहिसुरनरअग
जगजाही यहकौतू हलजानैसोई जापरकृपारामकेहोई संध्याभैफिरिद्वौवाहिनी लगेसं
भारननिजनिजअनी व्यापकब्रह्मअजितभुवनेश्वर लछिमनकहांवूझकरुनाकर तवलगिले
आएउहनुमाना अनुजदेषिप्रभुअतिदुषमाना जामवंतकहवैदसुषेना लंकारहैकोपठैअले
ना धरिलघुरूपगएउहनुमंता आनेउभवनसमेततुरंता दोहा रघुपतिचरनसरोजसिरनाऊ २१
राम

अ१९

के भए प्रबल रन रहहि न रोके दोहा आए सुमांगेउ राम पेहि अंगदादि कपि साथ लछमन चले स
कोप अति बान सरासन हाथ ५२ छतज नयन उर बाहु बिसाला हिमगिरि निभ तनु कछु एक ला॰
ला इहाँ दशानन सुभट पठाए नाना शस्त्र अस्त्र गहि धाए भूधर नष बिटपायुध धारी धाए क
पि जय राम पुकारी भिरे सकल जोरिहि सन जोरी इत उत जय इछा नहि थोरी मुष्टिकन्ह लातन्ह दांतन्ह
धस्स[illegible]काटहि कपि जयसील मारि पुनि डाटहि मारु मारु धरु धरु मारु सीस तोरि गहि भुजा उपारु
असि रव पूरि रही नव षंडा धावहि जहँ तहँ रुंड प्रचंडा देषहि कौतुक नभ सुर बृंदा कबहुँक बिसम
य कबहुँ अनंदा दोहा जम्यो गाड भरि भरि रुधिर ऊपर धूरि उडाइ जिमि अंगार राषिन्ह पर मृतक
धूम रह्यो छाइ ५३ घायल बीर बिराजहि कैसे कुसुमित किंसुक के तरु जैसे लछिमन मेघनाद द्वौ
जोधा भिरहि परसपर करि अति क्रोधा एकहि एक सकै नहि जीती निशचर छल बल करै अनीती

२
लंका
वारहू पतिरघुपतिहि नृपतिजिनमानहू अगजगनाथअतुलवलजानहू वानप्रतापजांनमा 13
रीचा तासुकहानहिंमानेहुनीचा जनकसभाअगनितमहिपाला रहेउतुम्हवलअतुलवि
शाला भंजिधनुषजानकीविवाही तवसंग्रामजितेऊकिनताही सुरपतिसुतजानहिंवल
थोरा राषाजियतआंषिगहिफोरा सुपनषाकैगतितुम्हदेषी तदपिहृदयनहिंलाजविसेषी
दोहा वधिविराधषरदूषनहिंलीलाहत्योकवंध वालिएकशरमारतेहितुम्हजानहुदशकंध
३६ चौ० जेहिजलनाथवंधायउहेला उतरेउप्रभुदलसहितसुवेला कारुनीकदिनकरकु
लकेतू दूतपठायउतवहितहेतू सभामांझजेहितववलमथा करिवरूथमेंहमृगपतिज
था अंगदहनुमतअनुचरजाके रनवांकुरेवीरअतिवांके तिहिकंहपियपुनिपुनिनरकहहू
मुधामोनममतामदवहहू अहहकंतकृतरामविरोधा कालविवसमनउपजनवोधा कालदंड २०
राम

14

मथिप्रभुसुतसमसुनायो यहकहिचलेउवालिन्टपजायो हतौंनषेतषेलाउषेलाई तोहिअ
वहिकाकरौंवडाई प्रथमहिंतासुतनयकपिमारा सोसुनिरावनभएउदुषारा जातुधानअं
गदवलदेषी भएव्याकुलसवहृदयविसेषी दोहा रिपुदलधरषितहरषिकपिवालितनय
वलपुंज सजलसुलोचनपुलकतनगहेरामपदकंज सांझजानिदशकंधर भवनगए
उविलषाई मंदोदरीरावनहीवहुरिकहासमुझाई ३८ चौ० कंतसमुझिमनतजहुकुमतिही
सोहनसमरतुम्हहिरघुपतिही रामानुजलघुरेषषचाई सोउनहिंनांघेउअसमनुसाई पि
यतुम्हताहिजितवसंग्रामा जाकेदूतकेरअसकामा कौतुकसिंधुनाघितवलंका आएउ
कपिकेशरीअसंका रषवारेहतिविपिनउजारा देषततोहिअछयतेहिमारा जारिसकलपुरकी
न्हसिछारा कंहरहावलगर्वतुम्हारा अवपतिमृषागालजनिमारहु मोरकहाकछुहृदयवि

रिगुनग्रामउसुनऊंकौशलाधीस परमचतुरताश्रवनसुनिबिहंसेरामउदार समाचारपुनि
सबकेहउगढकेबालिकुमार ६१ चौ० बिपुकेसमाचारजबपाए राममचिवसबनिकटबो
लाए लंकाबांकेचारिदुआरा केहिविधिलोघिएकहउविचारा तबकपीसरिछेसविभी
षन सुमरिहृदयदिनकरकुलभूषन करिबिचारतिन्हमंत्रदृढावा चारिअनीकपिकटक
बनावा जथाजोगसेनापतिकीन्हे जूथपसकलबोलितबलीन्हे प्रभुप्रतापकहिसबसमु
झाए सुनिकपिसिंघनादकरिधाए हरषितरामचरनशिरनाहीं गहिगिरिशिखरबीरसबधाहीं व
गर्जहितर्जहिंभालुकपीसा जयरघुबीरकौशलाधीसा जानतपरम दुर्गअतिलंका प्रभु
प्रतापकपिचलेअसंका घटाटोपकरिचहुंदिसिघेरी मुषहिनिसांनबजावतभेरी दोहा ज
यतिरामभ्रातासहितजयकपीससुग्रीव गर्जहिंकेहरिनादकपिभालुमहाबलसीव ६२ चौ० ।।

नहिकाउनमारा हरइधर्मव लवुधिविचारा। निकटकालजिहिआवतसोइतिहिभ्रमहो
इतुम्हारिहिनाई दोहा दुइसुतमारेउदहेउपुरअजहुंपुरप्रियदेहु कृपासिंधुरघुनाथभजुना
थविमलजसलेहु ४० चौ० नारिवचनसुनिविसिषसमाना सभागएउठिहोतविहाना वैठ
जाइसिंघासनफूली अति अभिमानत्रासमवभूली इहारामअंगदहिवोलावा आइचरनपंक
जसिरुनावा अतिआदरसमीपवैठारी वोलेविहसिकृपालषरारी वालितनयकौतुकअतिमोही
तातसत्यकहुपूछउंतोही रावनजातुधानकुलटीका भुजवलअतुलजासुजगलीका तासुमु
कटतुम्हचारिचलाए कहहुतातकवनीविधिपाए सुनसर्वज्ञप्रनतसुखकारी मुकुटनहोइभू
पगुनचारी सामदामअरुदंडविभेदा नृपउरवसहिनाथकहवेदा नीतिधर्मकेचरितसुहाए अ
सजियजानिनाथपहआए दोहा धर्महीनप्रभुपदविमुषकालविवसदससीस तिहिपरिह

लंका० ठाटा अतिविसालतनभालुसुभटा धावहिंगनहिंनअवघटघाटा पर्वतफोरिकरहिंगहि
वाटा कटकटाहिंकोटिन्हभटगर्जहीं दसनओठकाटहिंअतितर्जहीं उतरावनइतरामदुहा
इ जयतिजयतिजयपरीलराई निसिचरशिषरसमूहढवाहीं कूदिधरहिंकपिफेरिचला
हीं छंद धरिकुधरषंडप्रचंडमर्कटभालुगढपरडारहीं झपटहिंचरनगहिपटकिमहिभजिच
लतवहुरिपचारहीं अतितरलतरुनप्रतापतरपहिंतमकिगढपरचढिगए कपिभालुचढिमं
दिरन्हजहांतहांरामजसगावतभए दोहा एकएकनिसिचरगहिपुनिकपिचलेउपराइ ऊप
न२ रआपुहेठभटगिरहिंधरनिपरआइ ४७ चौ० रामप्रतापप्रवलकपिजूथा मर्दहिंनिसिचर
सुभटवरूथा चढेदुर्गपुनिजहांतहांवानर जयरघुवीरप्रतापदिवाकर चलेनिसाचरनिकरपराई। क २२
प्रवलपवनजनुघनसमुदाई हाहाकारभएउपुरभारी रोवहिंवालकआतुरनारी सबमिलिदेहिं राम

18

२

लंकाभएउकुलाहलभारी सुनेउदशाननअतिअहंकारी देषहुबानरकेरिढिठाई बिहसिनि
साचरसेनबुलाई आएकीसकालकेप्रेरे छुधावंसबनीश्चरमोरे असकहिअटहासशठकीन्हा
गृहवैठेअहारविधिदीन्हा सुभटसकलचारोदिसिजाहु धरिधरिभालुकीससबषाहु उमारावनहि
असअभिमांना जिमिटीटीनभसोवतउताना चलेनिसाचरआयसुमांगी गहिकरभिंडिपाल
चै वरसांगी तोमरमुद्गरपरसुप्रचंडा सूलकृपानपरिघगिरिषंडा जिमिअरुनोपलनिकरनिहा
री षगधाएसठमांसअहारी चोचभंगदुषतिन्हहिनसूझा ईमिधाएमनुजादअबूझा दोहा ना
नायुधसरचापधरिजातुधानवलवीर कोटिकंगूरन्हचढिगएकोटिकोटिरनधीर ॥ चौ०
कोटिकंगूरन्हसोहईकैसें मेरुश्रृंगकेजनुघनवैसें वाजहिढोलनिसानजुझाउ सुनिधुनिहोर
सुभटमनचाउवाजहिंभेरिनफेरिअपारा सुनिकादरउरजाहिदरारा देषिन्हजाइकपिन्हके

दसरसुतविकलनिहिजांना संदनघालितुरतगृहआंना दोहा अंगदसुनापवनसुतगढपर
लंका गएउअकेल रनवांकुरावालिसुततमकिचढेउकपिषेल ६६ चौ० जुद्धविरुद्धक्रोधदेउवंदर
रामप्रतापसुमरिउरअंतर रावनभवनुचढेदोउधाई करहिंकोशलाधीसदुहाई कलसशहित
गहिभवनढाहावा देषिनिसाचरपतिभयेपावा नारिवंदकरपीटहिछाती अवदुइकपिआ
एउतपाती कपिलीलाकरितिन्हहिडराहीं रामचंद्रकरसुजसमुनाहीं पुनिकरगहिकंचनके
७३ षंभा करेलागउतपातअरंभा गर्जिपरेरीपुकटकमझारी लागमर्दनभुजवलभारी काहु
हिलातचपेटन्हकेहू भजहुनरामहिंसोफललेहू दोहा एकएकसनमर्दहिंतोरि चलाव
हिमुंड रावनआगेपरहिंतेजनुफूटहिदधिकुंड ६७ चौ० महामहाप्रमुषिआजोपाहीं तेपद २३
गहिप्रभुपासचलाहीं कहहिंभीषनतिन्हकेनामा देहिंरामतिन्हहुकंनिजधामा षलमनु
वि

रावनहिंगारी राजकरतरहिमृत्युहंकारी निजदलविचलसुनाजवकांना फिरेसुभटलंके
शरिशांना जोरनविमुखफिरामेंजांना सोमैहतवकरालकृपांना सर्वसषाउभोगकरिनांनाः
समरभुमिभएवल्लभप्रांना उग्रवचनसुनिसकलसंकाने चलेक्रोधकरिसुभटलजाने स
नमुषमरनवीरकैसोभा तवतिन्हतजाप्रानकरलोभा दोहा वहुआयुधधरिसुभटसवभिरहिंपच ल्लो
वारिपचारि कीन्हव्याकुलभालुकपिपरिघप्रचंडन्हमारि ६४ चौ० मएआतुरकपिभागनला
गे जदपिउमाजैतहिजीताहिं आगे कोउकहकंहाअंगदहनुमंता कंहानलनीलदुविदवलवंता
निजदलविचलसुनाहनुमांना पछिमद्वाररहावलवांना मेघनादतेहाकरइलराई टूटनद्व
रपरमकठिनाई पवनतनयमनभाअतिक्रोधा गर्जेउप्रलयकालसमजोधा कूदिलंकागढ
उपरआवा गहिगिरिमेघनादकंहुधावा भंजेउरथसारथीनिपाता ताहिहृदयमहमारिसिलाना

२५ ध 21

लंका माहाविंनिसिचरसवअतिकारे नानाबरनबलीमुषमारे सकलतुरा लदलसमबलओ
धा विविधिप्रकारभिरलकरि क्रोधा प्राघिटसरदपयोधिनेरे लतमनंक्रमारूतवैरे अनि
यअकपनअरूअतिकाया विचलतसैंनकीन्हइन्हमाया मराउनिमिषमहैंअंधिपार का अनिर
डुनसमुझैआतपमेरा माहम्वाकुसवकहिंपुकारा हृएिहेरहधिरउपलछारा दोहा देषि
निवडतमरसौंदिसिकपिदलभएउयंभार एकहिएकनदेषहीजंहालंहाकरहिपुकार ६६
चौ० सकलमरमरघुनायकनांना लिएवोलिअंगदहनुमांना समाचारसवकहिसमुका
ए सुनतकोपिकपिकूंजराधाए पुनिकृपालहसिचापचढावा पावकसायकसपदिचलावा
भएउप्रकाशकतहूंतमनाही ज्ञानउदयनिमिशंसयजांही भालुवलीमुषपारप्रकासा धा
एहरषविगतश्रमत्रासा हंनुमानअंगदरनगाजे हांकसुनतरजनीचरभाजे भाजतभट २८
लंका

नाऽस्नेयामिषभोगी पावहिंगतिजोजाचतजोगी सुनहुउमातेलोगअभागीहरितजिहोहिं।
विषयअनुरागी उमारामम्रदुचितकरुनाकर वैरभावसुमरतजनीचर देहिंपरमगतिसोजि
यजांनी असकृपालकोकहहुभवांनी असप्रभुसुनिनभजहिंभ्रमत्यागी नरमतिमंदतेपरम
अभागी अंगदअरुहनुमंतप्रवेसा कीन्हदुर्गअसकहअवधेसा लंकाद्वौकपिसोहहिंकैसें।
मथहिंसिंधुदुइमंदरजैसें दोहा भुजवलरिपुदलमलेउदेषिदिवसकरअंत कूदेजुगलप्रयास
विनुआएजंहाभगवंत ५८ दो० प्रभुपदकमलसीसतिन्हनाए देषिसुभटरघुपतिमनभाए
रामकृपाकरिजुगलनिहारे भयेविगतश्रमपरमसुषारे गएजांनिअंगदहनुमांना फिरेभा
म लुकेकटभटनांना जातुधानप्रदोषवलपाई धाएकरिदससीसदुहाई निसिचरअनीदेषिकपिफि
रेउ जंहातंहाकटकटारभटभिरेउ दोउदलप्रवलपचारिप्रचारी लरहिंसुभटनहिंमानहिंहारी

२९ 23

लंका गवान ७१ कालकर्मपलवलदहनंगुनागारघनबोध शिवविरंचिजेहिसेवहिंतासोंकव
नविरोध ७२ चौ० पुनिहमिरैवरेदेऊवैदेही भजऊकृपानिधिपरमसनेही ताकेवचनबा
नसमलागे करियामुहकरिजाहुअभागे बूढभएसिनतुमारततोही अवजनिवदनदि
खावसिमोही तिहिअपनेमनअसअनुमांना बधेबहतएहिश्रीभगवांना सोउठिगएउ
कहतदुर्वादा तवसकोपबोलेउघननादा कौतुकप्रातदेषिअउमोरा करिहौंवहुतकहौं
काथोरा सुनिसुतवचनभरोसाआवा प्रीतिसमेतनिकटबैठावा करतविचारभएउभिनुसा
रा लागेपुनिकपिचारिहूंद्वारा कोपिकपिन्हदुर्घटगढघेरा नगरकोलाहलभएउघनेरा विवि
५ धायुधधरिनिस्चरधाए गढतेंपर्वतसिषरढहाए छंद ढाहेमहीधरसिषरकोटिन्हविविधिविधिगो
लाचले घहरातजिमिपविपातगर्जितप्रलयकालकेवादले मर्कटविकटभटजुटतकटतनुल २९

राम

पटकहिंधरिधरनि करहिंभालुकपिअद्भुतकरनी गहिपदडारहिंसागरमांही मकरउरगझष 
धरिधरिखाहीं धरसमेतउपारिचलाहीं लंकामहअतिभयउपजांहीं दोहा कछुघायलक
छुरनपरेकछुगढचढेपराई गर्जहिंमर्कटभालुभटरिपुदलवलविचलाई ७० चौ० निसा
जांनिकपि चारौअैनी आएजहांकोशलाधनी रामकृपाकरिचितवासवही भएविग
त श्रमवानरतवही उहांदशाननसुभटहंकारे सवसनकहेसिसुभटजेमारे आधाकटक
कपिन्हसंघारा कहहुवेगिकाकरिअविचारा माल्यवंतअतिजरठनिसाचर रावनमातु
पितामंत्रीवर वोलावचननीतिअतिपावन सुनहुतातकछुमोरसिखावन जवतेंतुम्हसी
ताहरिआंनी असगुनहोहिंनजाहिंवखांनी वेदपुरानजासुजसगावा रामविमुखकाहुनसु
खपावा दोहा हिरनाक्षभ्रातासहितमधुकैटभवलवांन जिहिमारेसोइअवतरेकृपासिंधुम
ते

२६ नभसोर्इ रथसारथीतुरगासबषोर्इ बारबारप्रचारहनूमाना निकटनआवमरमुसोजाना रघु 25
लंका पतिनिकटगएउघननादा नानाभांतिकहेसिदुर्वादा अस्त्रशस्त्रआयुधसबडारे कौतुकहीप्र
भुकाटिनिवारे देषिप्रभाउमूढषिसिआना करैलागमायाविधिनाना जिमिकोउकरैगरुड
सैषेला डरपावैगहिस्वल्पसपेला दोहा जासुप्रबलमायाबिवसशिवबिरंचिबडछोट ता
हिदेषावैजननिचरनिजमायामतिषोट ४९ नभचढिबरसबिपुलअंगारा महितेप्रगटहोहिंज
लधारा नानाभांतिपिशाचपिशाची मारुकाटुधुनिबोलहिनाची बिष्टापूयरुधिरकचहाड॰
रा बरषैकबहुंउपलबहुछाडा बाषिधूरिकीन्हेसिअंधियारा सूझनआपनहाथुपसारा अकुलाने
कपिमायादेषे सबकरमरनुबनाएहिलेषे कौतुकदेषिराममुसकाने भएसभीतसकलक॰ २६
पिजाने एकबानकाटीसबमाया जिमिदिनकरहरतिमिरनिकाया कृपादृष्टिकपिभालुबिलो
राम

तहां

रततनुजरजरमए गहिसैलतेंगढपरवलावहिंजंहांनिसिचरहरा दोहा मेघनादसुनि श्रवनश्रस

३ गढपुनिछेकाश्राई उतरिदुर्गतेंवीरवरसनमुषचलोवजाई ७३ चौ कंहाकौशलाधीसदोउभ्राता

धन्विसकललोकविष्याता कंहानलनीलदुविदसुग्रीवा कंहाश्रंगदहनुमंतवलसींवा कंहाँवि

भीषनभ्राताद्रोही श्राजुसवहिहठिमारौंश्रोही श्रसकहिकठिनवांनसंधाना श्रतिसयक्रोधश्र

वनलगितांना सरसमूहसोछाडनलागा जनुसपक्षधावहिंवहुनागा जंहातंहापरतदेषश्रहि

वांनर सनमुषहोइनसकेतिहिश्रवसर जंहातंहाभागिचलेकपिरीछा विसरीसवहिजुद्धकैइछा

सोकपिभालुनरनमहिदेषा कीन्हसिजाहिप्रांनश्रवसेषा दोहा दशदशसरसवमारेसिपरेभुमि

कपिवीर सिंघनादकरिगर्जतामेघनादरनधीर ७४ चौ देषिपवनसुतकटकविहाला क्रोधवं

तधाएउजनुकाला महासैलएकतमकिउपारा श्रतिरिसमेघनादपरडारा श्रावतदेषिगएउ

रणसावनरामहि जितिहहिरामुनुसंसयथामहि इहांभएमैदेषौभाई ज्ञानदष्टिबलुमोहिग्र
धिकाई मांगाजलतेहिदीन्हकमंडल कहकपिनहिग्रघाउथोरेजल सरमज्जनुकरिग्रातुर
ग्रावहु दीक्षादेउंज्ञानजेहिपावहु दोहा सरपैठतकपिपदगहेउमकरींतबग्रकुलान मारी
सोधरिदिव्यतनुचलीगगनचढिजान ५६ जयुनयनिन्हशवहुचारा मोहिश्रापमुनिवरग्र
तिभारा रामकृपातुमसोउसुषदीन्हा गावतपुरानवेदऋतिप्रवीन्हा मैग्रपावननाजिमा
जाना तुम्हमोरग्रतिकरीकल्पना कपितवदसममरउंनिपापा मिटाताततमुनिवरकरश्रा
पा मुनिनहोइयहनिसिचरघोरा मानेहुसत्यवचनप्रभुमोरा ग्रसकहिगईग्रपछराजब
ही निशचरनिकटगएउसोतवही कहकपिमुनिगुरुदछिनालेहु पाछेहमहिमंत्रतुमदे १८
हू सिरलंगुरलपेटपछारा निजतनुप्रगटेसिमरतीवारा रामरामकहिछाडेसिप्राना सु राम

आरसुषेन कहानामगिरिऔषधीजाहूपवनसुतलेन ५५ रामचरनसिरसिजउराषी चलेउ
प्रभंजनसुतबलभाषी उहांदूतएकमरमुजनावा रावनुकालनेमिगृहआवा दसमुषकहा
मरमुतेहिसुना पुनिपुनिकालनेमिसिरुधुना देषिततुम्हहिनगरुजेहिजारा तासुपंथको
रोकनिहारा भजिरघुपतिहितकरहुआपना छाडहुनाथमृषाजलपना नीलकंजतनुसुंदर
स्यामा हृदयराषुलोचनअभिरामा अहंकारममतामदत्यागू महामोहनिससोवतजागू का
लव्यालकरभछकजोइ सपनेहुसमरकिजीतीसोई दोहा सुनिदसकंधरसानअतितेहिमनकी
न्हविचार रामदूतकरमरौंबरुयहषलरतमुहिमार ५६ असकहिचलारचिसिमगमाया सर समीप
बरबागबनाया मारुतसुतदेषासुभआश्रम मुनिहिबूझिजलपिऔंजाइश्रम राछसकपटवेषतहंसो
हा मायापतिदूतहिचहमोहा जाइपवनसुतनाएउमाथा लागसोकहैरामगुनगाथा होतमहा

28

३०

लंका ठकि निमोहि मिषा वहु भाई वहु विधि सोचत वि॰ मोचन स्रवत सलिल राजीव लोचन उ
माएक अषंड रघुराई नर गति भगत कृपाल देषाई सोरठा प्रभु विलाप सुनि कान विकल भ
ए वानर निकर आइ गए उ हनुमान जिमि करुना मह वीर रस ॥ हरषि राम भेटेउ हनुमाना।
अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना तुरत वैद तव कीन्ह उपाई उठि वैठे लछिमन हरषाई हृदय ला
य भेटेउ प्रभु भ्राता हरषे सकल भालु कपि ब्राता पुनि कपि वैद तहां पहुचावा जेहि विधि त
हितांहि लै आवा यह वृतांत दसानन सुनेउ अति विषाद पुनि पुनि सिर धुनेउ व्याकुल कुंभकर
न न पहि गयेउ करि वहु जतन जगावत भयेउ लै लैउ छे नाम जगावहि मुख हिलात वहु भांति
लगावहि डुंदभी भेरि मृदंग वजावहि गो मुष पुन वहु ढोल सुनाहि तोमर मुदगर वज्र प्रहार
हि हति सर षड्ग सरीर विदारही दोहा गज रथ सहस वरूथ भट कूदिं लत आरहि गात मा ३०
सोवत कुंभकरन रह तहवा अति अकाल मन चितै तु जाई तो विस जोजन के षत कराई जो जनती...
निसीचिरकाको वाहित मोनन वाहु भनोना स वहु मोमनजो घलवाई सत जो जनत नवरापित ...

रामउठाइअनुजउरलाएऊसकहुनदुषितदेषिमोहिकाऊ बंधुसदातवमृदुलसुभाऊ मम
हितलागितजेहुपितुमाता सहेहुविपिनहिमआतपवाता सोअनुरागकहांअबभाई उठहु
न नसुनिममबचविकलाई जोजनतेउबनबंधुविछोहू पितावचनमनतेउनहिओहू सुत
बितनारिभवनपरिवारा होहिजाहिजगवारहिवारा असविचारिजियजागहुताता मिलं
नजगतसहोदरभ्राता यथापंषविनुषगअतिदीन्हा मनिविनुफनिकरिवरकरहीना असम
मजिवनबंधुविनुतोही जौजडदेवजिआवैमोही जैहोअवधकवनमुषलाई नारिहेतुप्रियभा
इगवाई वरुअपजससहतेउंजगमाही नारिहानिविशेषछतिनाही अवअवलोकुसोकुसुत
तोरा सहिहिनिठुरकठोरउरमोरा निजजननीकेएककुमारा तानतासुतुम्हप्रानअधारा सोंपे
सिमोहितुम्हहिगहिपानी सवविधिसुषदपरमहितजानी उतरुकाहदैहौं हेतेहिजाई उ

हि

 नजोकहेऊ कहतेउँतोसमयनिरवहेऊ अबमरिअंकभेटमोहिभाई लोचनसुफलकरौमैजाई 
स्यामगातसरसीरुहलोचन देषौजाइतापत्रयमोचन दोहा रामरूपगुनसुमिरतमगनभ
यउछिनएक रावनमांगेउकोटिघट मदअरुमहिषअनेक ९८ महिषषाइकरिमदिरापा
वज्रअघातसमाना४ ना गर्जेउअंकाससबलावलबांना कुंभकरनदुर्मदरनरंगा चलेउदुर्गतिसेननसंगा देषिविभीषनआ न४
गेगयऊ पदगहिनामकहतनिजभयऊ अनुजउठाइहृदयतेहिलांवा रघुपतिभगतजानिमन
भावा तातलातरावनमोहिमारा कहतपरमहितमंत्रविचारा तेहिगलानिरघुपतिपहिआए
ऊ दीनदेषिप्रभुकेमनभाएऊ सुनसुतभएउकालवसरावन सोकिमानअबपरमसिषावन ध
न्यधन्यतैधन्यविभीषन भएउतातनिसिचरकुलभूषन निसचरकुलतुम्हकीन्हउजागर।
भजउरामसोभासुषसागर दोहा वचनकर्ममनका छे बंधुवचनसुनिफिराविभीषन आ 
पटतानिभजउरामरनधीर जाउननिजपरसरूमोहिभएउकालवसबी ९

नह्रूलागप्रहारसंग वह्रूगुरुाकसुष्रआत वौ सैलअनेकगहिसुभटलगावही त्योत्योअतिगा ३२
तसुहावही जागानिसचरदेषियकैसा मानह्रूकालदेहधरिवैसा कुंभकरनवूझा कह्रूभाई
काहेतवमुषरहासुषाई कथाकहीतेसवअभिमानी जेप्रकारसीताहरिआनी तातकपिन
५ सवनिसचरमारे महामहासुषियासंघारे दुर्मुषसुररिपुमनुजअहारी भटअतिकायअकंपन ६
भारी अपरमहोदरआदिकवीरा परेसमरमहिसवरनधीरा दोहा सुनिदसकंधरवचनतवकुंभ
करनविलषान जगदंवाहरिआनिअवसठचाहतकल्यान १०॥ भलनकीन्हतैनिसचरनाहा।
अवमोहिआनिजगायेह्रूकाहा अजह्रूतातत्यागह्रूअभिमाना भजह्रूरामहोईहिकल्याना हेद
ससीसमनुजरघुनायक जाकेहनुमानुसेपायक अहअहवंधुतेकि षोटाई प्रथमननोहिसु
नायह्रूआई कीन्हेह्रूप्रभुविरोधजेहिदेवक सिवविरंचिसुरजाकेसेवक नारदमुनिमोहिज्ञान
है

३२ गेमारुतसुतजागा सुग्रीवहितवषोजनलागा कपिराजकेमुकुकाबीती निमुक्तिगएउते 33

लंका हिमृतकप्रतीती काटेसिदशननासिकाकाना गर्जिअकाशचलातेहिजाना गहेसिचरन

धाधरनिपछारा अतिलाघवउठिपुनितेहिमारा पुनिआएउप्रभुपहिबलवाना जयजय

कारुनीकभगवाना नाककानकाटेजीयजानी फिराक्रोधकरिमनमैगलानी सहजभी

मपुनिविनुश्रुतिनासा देषतकपिदलउपजीत्रासा दोहा जयतिजयरघुवंशमनिधाए ति

चौपाई कपिदेहूह एकहिवारजोतासुपरछाडेन्हिगिरितरुजूह कुंभकरणरनरंगसिद्धा सन्मुखचला रा

कालुजनुक्रुधा कोटिकोटिकपिधरिधरिषाई जनुटीडीहीगिरिगुहांसमाई कोटिन्हिगहिसरी

रसनमर्दा कोटिन्हमीजिमिलावमहिगर्दा मुषनासाश्रवनन्हिकीवाटा निशरिपराहिभालु

कपिठाटा रनमदमत्तनिशाचरदर्पा विश्वग्रसिहिजनुएहिविधिअर्पा मुरेसुभटरनाफिरहि ३२

राम

एउन्ह त्रैलोकविभूषन नाघ्य भूधराकार शरीरा कुंभकर्ण आवत रनधीरा एतना कपिन्ह सु 34

ना जब काना किलकिलाइ धाए बलवाना लिए उपारि बिटप अरु भूधर कटकटाइ डारहिं ता

ऊपर कोटि कोटि गिरि सिषर प्रहारा करहिं भालु कपि एक एक बारा मुरै न मन तन टरै न टारा।

जिम गज अर्क फलन्हि कर मारा तब हनुमान मुष्टिका हनेऊ परेउ धरनि ब्याकुल सिर धुनेऊ

पुनि उठि तेहि मारेउ हनुमंता घुरमित भूतल परेउ तुरंता पुनि नल नीलहि अवनि पछारेसि जह

तह पटकि पटकि भट डारेसि चली बलीमुख सेन पराई अति भय त्रसित न कोउ समुहाई दोहा

ल अंगदादि कपि घाय वस करि समेत सुग्रीव कांष दाबि कपिराज कहु चला अमित बलसींव ६४

उमा करत रघुपति नरलीला खेलत गरुड जिमि अहिगन मीला भृकुटि भंग जो कालहि षाई ता

हि कि सोहै ऐसि लराई जगपावनि कीरति बिस्तरिहहिं गाइ गाइ भवनिधि नर तरहहिं मुरुछा।

३२ मङ्ग निसिचरधारी भएउक्रुधदारुनबलबीरा कीरमृगनायकनादगंभीरा कोपिमहीधरलेइउप
लंका पारी डारेजहमरकटभटभारी आवतदेखिसैलप्रभुभारे सरन्हिकाटिरजसमकरिडारे पुनिधनु
तानिकोपिरघुनायक छाडेअतिकरालबहुसायक तनमहुप्रविसिनिसरसरजाही जनुदामिनि
घनमाझसमाही सोनितस्रवतसोहतनुकारे जनुकज्जलगिरिगेरुपनारे विकललोकिभा
लुकपिधाये विहसाजवहिनिकटभटआए दोहा गर्जतधाएवेग अ अतिकोटिकोटिगहिकी
स महिपटकैगजराजइव सपथकरैदससीस ६८ भागेभालुवलीमुखजूथा वृकविलोकिजि
मिमेषवरूथा चलेभागिकपिभालुभवानी विकलपुकारतआरतिवानी यहनिसचरदुकाल
समअहई कपिकुलदेसमरनअवचहई कृपावारिधररामखरारी पाहिपाहिप्रनतारतिहारी । ३२
करुनावचनसुनतभगवाना चलेसुधारिसरासनवाना रामसेननिजपाछेघाली चलेसको राम

नफेरे सूझननयनसुनहिनहिटेरे कुंभकर्णकपिफौजबिडारी सुनिधाएरजनीचरधारी देषी
रामविकलकटकाई रिपुअनीकनानाविधिआई दोहा सुनसौमित्रिकपीशानुजसकलसंभार
उसेन मैदेषौषलदलवलहिवोलेराजिवनयन ६६ करसारंगसाजिकटिभाथा मृगपतिठमनि
चलेरघुनाथा प्रथमकीन्हिप्रभुधनुषटंकोरा रिपुदलवधिरभएउसुनिसोरा सत्यसिंधछाडेसर
लाछा कालसर्पजनुचलेसपछा जहतहचलेविपुलनाराचा लगेकटनभटविकटपिसाचा
कटहिचरनउरसिरभुजदंडा वहुतकवीरहोहिसतषंडा घुर्मिघुर्मिघायलमहिपरहि उठिसंभा
रिसुभटफिरिलरही लागतवानजलदजिमिगाजहि वहुतकदेषिकठिनसरभाजहि रुंडप्रचंड
मुंडविनुधावहि धरुधरुमारुमारुधुनिगावहि दोहा छिनमहुप्रभुकेसायकन्हिकाटेविकटपि
शाच पुनिरघुपतिकेत्रोनमहुप्रविसेसवनाराच ६७ कुंभकर्णमनदीषविचारी हतीनिमिष
चौ०

३९
लंका

सवहिंअचंभौभा। नभडंडुभीवजावहिंहरषहि जयजयकरिअस्तुतिसुरवरषहिंकरिविनती 37
सुरसकलसिधाये तेहिसमयदेवरिषिआये गगनोपरहरिगुनगनगाए रुचिरवीररसप्रभुम
नभाए कहिऊविमलजसमुनिवरगए रामसमरमहिसोहतभए छंद संग्रामभूमिविराजर
घुपतिअतुलवलकोशलधनी श्रमविंदुमुखराजीवलोचनरुचिरतनसोनितकनी भुजजु
गलफेरतसरसरासनभालुकपिचहूदिसिवने कहदासतुलसीकहिनसकेछविशेषजे
हिआननघने दोहा निसिचरअधममलायतनताहिदीन्हनिजधाम गिरिजातेनरमंदम
तिजेनभजहिंश्रीराम ७० दिनकेअंतफिरीद्वौअनी समरभैसुभटन्हश्रमघनी रामकृपा
कपिदलवलवाढा जिमितृनपाइलागअतिडाढा छीजहिंनिसिचरदिनुअरुराती निजमुख
कहेधर्मजेहिभांती वहुविलापदशकंधरकरई वंधुशीशपुनिपुनिउरधरई रोवहिंनारिहृदयह ३९
राम

पमहावलसाली षैचिधनुषसतसरसंधाने छुटेतीर सरीरसमाने लागतसरधावारिसभरा क
रा धरडगमगतडोलतिधरा लीन्हएकतेहिसैलउपाटी रघुकुलतिलकभुजासोउकटी धावावाम
वाहुगिरिधारी प्रभुसोउभुजाकाटिमहिपारी काटेभुजासोहषलकैसा पछहीनमंदरगिरजैसा
उग्रविलोकनिप्रभुहिविलोका ग्रसनचहतमानहुत्रैलोका दोहा करिचिकारअतिघोर
तवधावावदनुप सारि गगनसिद्धिसुरत्रासितसवहाहाहेतुपुकारि छंद सभयदेवकरुना
निधिजानेऊ श्रवनप्रजंतसरासनुतानेऊ विसिषनिकरनिसिचरमुषभरेऊ तदपिमहावल
भूमिनपरेऊ सरन्हिभरामुषसन्मुषधावा कालत्रोनसुजीवजनुआवा तवप्रभुकोपितीव्र
सरलीन्हा धरतेभिन्नतासुसिरकीन्हा सोसिरपरेउदशाननआगे विकलभयेउजिमिफनिमनि
त्यागे धरनिधसैधरधावप्रचंडा तवप्रभुकाटिकीन्हदुइषंडा तासुतेजप्रभुवदनसमाना सुरमुनि

38

लक्षीन्हसिसरपंजर जाहिकहांभएब्याकुलबंदर सुरपतिनंदिपेजनुमंदिर मारुतसुतअं 
गदनलनीला कीन्हसिविकलसकलवलसीला पुनिलछमनसुग्रीवविभीषनसरनमा
रिकीन्हसिजर्जरतन पुनिरघुपतिसनजुझैलागा शरछांडैहोइलागहिनागा व्यालपास
वसभयेषरारी स्ववसअनंतएकअविकारी नटइवकपटचरितकरिनाना सदास्वतंत्रा
भगवाना रनसोभालगिप्रभुहिवधावा देषिदशादेवनभयपावा दोहा खगपतिजाकु
रनासुजपिमुनिकाटहिभवपास सोप्रभुआवकिबंधतरव्यापकविश्वनिवास ७२ चरित
रामकेसगुनभवानी तर्किनजाहिबुद्धिवलवानी असविचारिजेतत्ववैरागी रामहिभजही 
तर्कसवत्यागी व्याकुलकटकुकीन्हघननादा पुनिभाप्रगटकहेसिदुर्वादा जामवंतकहष
लरहुठाढा सुनिकरिताहिक्रोधअतिवाढा वूढजानिसठछांडेउतोही लागेसिपतितप

तिपानी तासुतेजवलविपुलवषानी मेघनादतेहि अवसर आवा कहिवंहुकथा पितासमु
झावा देषिहुकालिमोपिमनुसाई अवहिवडुत काकरौवडाई इष्टदेवसैवलरथुपाएऊ सोव
लतात न तोहि दिषाएऊं एहिविधि जल्पत भएउ विहाना चहुंदुआर लागे कपि नाना॥ इतक ४०
पि भालु काल सम वीरा उत रजनीचर अति रनधीरा लरहि सुभट निज निज जय हेतू वर्नि
ना जाइ समर षगकेतू दोहा मेघनाद माया रचित रथ चढि गएउ अकास। गर्जेउ प्रलयप
योदजिमि भइ कपि कटकहि त्रास॥७०॥ शक्ति सूल तरवारि कृपाना। अस्त्र शस्त्र कुलिसायुध
नाना डारे परसु परिघ पाषाना लागेउ वृष्टि करै वहु वाना। हे दशहुं दिश सायक छाई मानहु
मघा मेघ झरि लाई धरु धरु मारु सुनिहि कपि काना। जो मारे तेहि कोउ न जाना गहिगिरितरु
अकाश कपि धावहि देषहि तेहि न दुषित फिरि आवहि। अवघट घाट वाट गिरि कंदर माया व

३९ लंका

विचारबुधिवर दोहा कोटिकल्पबरणतनिगमआगमजासुगुणगाथ तमरूपी [illegible]
नुकिमिवरणोलिषिहाथ दे० ममअसिसुनिगुउदासरघुराई तववचननिलगिमुआप [illegible]
येहिविधिलिखिउसकलमुनबाता परीभूमितलअतिबिकलाता बांचिसु [illegible]
बनथारथ लछिमणरामजानिपरमारथ तीयसुभायतदपिवऊमाती बिलपहिमि
वसविन्हकीपाती गुणगणमाहससीलनाहको कहिरोवहिबलविजयबांहको जिन्ह
बलसुरनाथबिगोये सोप्रभुआजुसमरमहिसोये मागिगणभूषणावसनविसरहि
टहिकरतलसिरमारहि अतिसैदुखितशरीरसुधिनाही दारुणविपतिकहहिकेपाही दे
प्रबोधसखीकोउकरई बड़ीसोकदावानलजरई छनछनउठतिपरतिधरणीतल पुनि [illegible]
सुमिरसराहिपतिकोपतिबल दोहा तिन्हमहिसखीसयानीएककहिसमुझाई बैन [illegible]

कलसुरासुरसकहिनजानी विधिवामतापरितनहिमानी रतनाकहितगईउठिआइ [illegible] गति
भुजलषिकपिकोटिबिलाए कंकनमनिगनभूषनसोई महाविटपसमआननहोई दे
मनहिनआवततेही तासुप्रभावसुनेऊपहिलेही नीदनारिभोजनपरहरई वारहिवार
सुकरमरई दोहा करिविचारमनैठकदेमेपतिदेवतैनावि भुजलिषिमेटऊडुवितरेउ
दीन्हपसारि ईर लषिकपिताससुमषीउठिधाई तुरतहिरवोजनतरीलेआई दीहहाथ
[illegible]गनाई लिखतलषनकीरतरुचिराई नीहनारिभोजनसतकोटिक तजेतासुमहि
[illegible]कोटिक अच्छयअप्रयअजअविनासी अतुलअमितघटघटकेवासी प्रगटहि[illegible]लहिप्रान
गुहरही त्रिगुणरूपत्रयमातिकरही जाकालऊकालभयेका वरनतसुजससारदसक
लीलातनुसुरसेवकहेतु जासुनामभवसागरसेतु मुनिमनपुंडरीकजाकेपुर [illegible] वनविद

वभाई करहुविधंसआपकरजाई तुम्हलछिमनमारेहुरनओही देषिसभयसुरदुषअतिमो
मारेहु तेहिवलबुद्धिउपाई जेहीछीजैनिसिचरसुनुभाई जामवंतकपिराजविभीषन स
नेतरहहुतीनिउजन जवरघुवीरदीन्हअनुसासन कटिनिषंगकसिसाजसरासन प्रभुप
धीरनधीरा वोलेघनइवगिरागंभीरा जौतिहिआजुवधेविनुआवौ तौरघुपतिसेवक
वौ जौसतशंकरहोहिसहाई तदपिहतौरघुवीरदोहाई दोहा वंदिरामपदकमल
चलेतुरंतअनंत अंगदनीलमयंदनलसंगसुभटहनुमंत ७६ जाइकपिन्हदेषासोवै
आहुतिदेतरुधिरअरुभैसा तवकीसन्हकृतजग्यविध्वंसा जवनउठैतवकरहिप्रसंसा।
पिनउठैधरेन्हिकचजाई लातनह [illegible] तिहतिचलेपराई लैत्रिसूलधावाकपिभागे आएज
हँरामानुजआगे आवापरमक्रोधकरमारा गर्जिघोररववारहिवारा कोपिमरुतसुतअंगद

लं
राम

चौ॰ भाही अस कहि तिरमत्रिशूल चलावा जावबंत कर गहि सोइ धावा मारिसि मेघनाद कै॰
ती परा धरनि घुर्मित सुरघाती पुनि रिसान गहि चरन फिरावा महि पछारि निज बलु दे
ा वर प्रसाद सो मरै न मारा तब गहि पद लंका पर डारा इहां देवरिषि गरुड पठावा राम स
मीप सपदि सो आवा दोहा पन्नगारि षाए सकल लछन मड ब्याल बरूथ मए विगत माया तुरत हर्ष
जूथ गहि गिरि पादप उपल नष धाए कीस रिसाइ चले तमीचर बिकलतर गढ पर चढे प
राइ मेघनाद कै मुरछा जागी पितहि बिलोकि लाज अति लागी तुरत गएउ गिरिवर सठ कं
दरा करौ अजय मष अस मन मे धरा सो सुधि पाइ विभीषन कहई सुनु प्रभु समाचार अस अहई मे
घनाद मष करै अपावन षल मायावी देव संतावन जो प्रभु सिद्ध होइ सो पाइहि नाथ बेगि पुनी॰
तन जाइहि सुनि रघुपति अतिसय सुष माना बोले अंगदादि कपि नाना लछिमन संग जाहु

